Date-17/02/24

B.A. II (Subsidiary)

कुसुम कुमारी

Group-B

Mood Disorders
मनोदशा विकृतियाँ
Deptt of Psychology

मनोदशा विकृति का अर्थ :- विकृतियों का समूह है जिसमें व्यक्ति के मनोभावात्मक प्रक्रिया इस हद तक विकृत बन जाती है कि वह अपने दैनिक जीवन में समायोजन बनाये रखने में सक्षम नहीं होता है। इसी कारण इस विकृति को मनोभावात्मक दशा विकृति भी कहा जाता है।

मनोदशा विकृति के मुख्य लक्षण निम्नांकित हैं :-

(i) मनोदशा विकृति का सम्बन्ध भावात्मक विकृति से है जहाँ रोगी के भाव (Feelings) विकृत बन जाते हैं। इसी आधार पर मनोदशा विकृति को भावात्मक विकृति कहा गया है।

(ii) मनोदशा विकृति का एक मुख्य लक्षण विषाद है। कुछ रोगियों में केवल यही लक्षण प्रधान होता है इस तरह की मनोदशा विकृति को एकध्रुवीय विकृति कहते हैं। विषाद का तात्पर्य नैदानिक संलक्षण से है। इसी आधार पर इसे नैदानिक विषाद (Clinical Depression) भी कहा जाता है।

(iii) मनोदशा विकृति में कभी-कभी उत्साह देखा जाता है। रोगी उत्साही घटना से हद तक उत्तेजित हो जाता है जैसे: उसका दैनिक समायोजन बिगड़ जाता है।

(iv) मनोदशा विकृति में कभी-कभी विषाद तथा उत्साह दोनों पक्ष पाये जाते हैं। रोगी विषाद से पीड़ित रहता है, और कभी उत्साह से।

X X X